लड्डू गोपाल मेरो लड्डू गोपाल है

बड़ो ही प्यारो नटखट नन्द लाल है,
लड्डू गोपाल मेरो लड्डू गोपाल है,

लोरी से सुलाती हु लोरी से उठाती हु,
निकल जाये हाथो से जब नहलाती हु,
कलियों से कोमल रसीला रस दार है,
लड्डू गोपाल मेरो लड्डू गोपाल है,

कर के श्रृंगार इसे लाड लड़ाती हु ,
माखन मिश्री का भोग लगाती हु,
पलना में झूम झूम होता निहाल है,

गोल मतलो लाल लाल बाल है,
नैन रंगीले या के घुंगराले बाल है,
लाल गुलाबी होठ रूप रसाल है,
लड्डू गोपाल मेरो लड्डू गोपाल है,

लड्डू गोपाल सो अट्ठु मेरा नाता है,
जाऊ मैं **'मधुप'** यहाँ साथ साथ जाता है,
सुन सुरताल नाच उठता गोपाल है,
लड्डू गोपाल मेरो लड्डू गोपाल है,

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6311/title/laddu-gopal-mero-laddu-gopal-hai-bado-hi-pyaro-natkhat-nand-lal-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |